पाठ – बचपन

शब्दार्थ –

1. सयाना - समझदार
2. महसूस करना - अनुभव करना
3. शताब्दी - 100 वर्ष का समय
4. बदलाव - परिवर्तन
5. दशक - 10 वर्ष का समय
6. पोशाक - वेशभूषा
7. फ्रिल - झालर
8. इतराते - इधर उधर झूलते(मस्ती में)
9. लेमन कलर - नींबू के रंग का
10. मोज़े - जुराबें
11. मनाही - निषेध, न करने का आदेश
12. प्रातः - सुबह
13. किस्म - प्रकार
14. आरामदेह - आराम देने वाले
15. इलाज - रोग को दूर करने का उपाय
16. फर्क - अंतर
17. शनीचर - शनिवार
18. ऑलिव आयल - जैतून का तेल
19. कैस्टर ऑयल - अरंडी का तेल
20. खुराक - भोजन की मात्रा या औषधि की मात्रा
21. मितली - दिल का मचलना या उल्टी जैसा लगना
22. सेहत - स्वास्थ्य
23. दिलचस्पी - पसंद, रूचि
24. कन्फेक्शनरी - वह दुकान जहां बिस्कुट, नमकीन, मिठाइयाँ मिलती हों (बेकरी)
25. मनभावनी - मन को भाने वाली, अच्छी लगने वाली
26. हफ्ता - सप्ताह (7 दिन का समय)
27. निरा - केवल
28. कमाल - होशियारी, चतुराई
29. बुरकना - चूर्ण जैसी चीज को छिड़कना(जैसे-नमक)

egyanarchive

30.रफ्तार - गति, चाल
31.छुटपन - बचपन
32.मौका - अवसर
33.कमतर - ज्यादा छोटा, लघुतर
34.ननिहाल - नानी का घर
35.हष्ट- पुष्ट - मोटे-ताजे
36.सूर्यास्त (सूर्य+अस्त) - सूर्य के छिपने का समय (डूबने का समय)
37.सुनहरी - सोने जैसी
38.पहाड़ों की मुखड़े गहराने लगे - पहाड़ों पर अँधेरा होने लगा
39.रिज - पहाड़ का सबसे ऊपर का सीधा व लंबा भाग(किनारा),
40.रिज - शिमला की एक सड़क
41.रौनक - शोभा
42.कोलाहल - शोर
43.सिग्नल - संकेत या संकेत देना
44.मॉडल - प्रारूप या प्रतिकृति
45.चश्मा - ऐनक
46.अटपटा - ऊटपटांग, अजीब सा, जो अच्छा न लगे
47.तकलीफ - कष्ट
48.उम्र - आयु, अवस्था
49.आश्वासन - भरोसा, दिलासा
50.अलावा - अतिरिक्त, के सिवाय
51.सूरत - शक्ल
52.खीझना - क्रोध करना, झुंझलाना
53.शेर - कविता के समान उर्दू की पंक्तियाँ
54.आईना - दर्पण, शीशा
55.अजीब - विचित्र
56.चेहरा - मुखाकृति, शक्ल, सूरत
57.घुल मिल जाना - एक हो जाना, अलग न दिखाई देना
58.सहल - आसान
59.सुभीता - सुविधा, आराम
60.हिमाचली - हिमाचल वाली या वाला

egyanarchive

प्रश्न-अभ्यास

संस्मरण से

प्रश्न 1. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थी ?

उत्तर-

बचपन में इतवार की सुबह लेखिका अपने मोजे धोती थी, फिर जूतों पर पॉलिश करके उसे कपड़े या ब्रश से रगड़कर चमकाती थी।

प्रश्न 2. 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।'-इस बात के लिए लेखिका क्या-क्या उदाहरण देती हैं?

उत्तर-

लेखिका अपने समय से आज के समय की दूरी को बताने के लिए निम्नलिखित उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं-

(क) तब उन दिनों रेडियो और टेलीविज़न की जगह कुछ घरों में ग्रामोफ़ोन होते थे।

(ख) पहले कुल्फ़ी होती थी अब आइसक्रीम हो गई। कचौड़ी-समोसा अब पैटीज़ में बदल गया है।

(ग) फ़ाल्से और खसखस के शरबत के स्थान पर कोक और पेप्सी जैसे शीतल पेयों ने ले लिया है। उनके समय में कोक नहीं। लेमनेड, विमटो मिलती थी।

प्रश्न 3. पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे?

उत्तर-

लेखिका को रात में टेबल लैंप के सामने बैठकर पढ़ने के कारण उनकी नजर कमजोर हो गई थी, इस वजह से उन्हें चश्मा लगाना पड़ा। उनके चचेरे भाई चश्मा लगाने पर उन्हें छेड़ते हुए कहते थे – **"आँख पर चश्मा लगाया ताकि सूझे दूर की यह नहीं लड़की को मालूम सूरत बनी लंगूर की!"**

प्रश्न 4. लेखिका अपने बचपन में कौन-कौन सी चीजें मज़ा ले-लेकर खाती थीं? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

उत्तर-

लेखिका बचपन में चॉकलेट को बड़े मजे से खाती थी। उनको सप्ताह में एक बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी। लेखिका चॉकलेट को साइडबोर्ड पर रख देती थी फिर बिस्तर पर लेटकर मजे से खाती थी। इसके अतिरिक्त कुल्फ़ी, शहतूत, फ़ाल्से के शरबत, चॉकलेट, पेस्ट्री तथा फल मजे ले-लेकर खाती थी। कुछ प्रमुख फल 'काफल' और 'चेस्टनट' था।

egyanarchive

संस्मरण से आगे

प्रश्न 1.

लेखिका के बचपन में हवाई जहाज़ की आवाजें, घुड़सवारी, ग्रामोफ़ोन और शोरूम में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल ही आश्चर्यजनक आधुनिक चीजें थीं। आज क्या-क्या आश्चर्यजनक आधुनिक चीजें तुम्हें आकर्षित करती हैं? उनके नाम लिखो।

उत्तर-

आज की आश्चर्यजनक आधुनिक चीजें हैं-कंप्यूटर, टेलीविज़न, इंटरनेट, मोबाइल, रोबोट, मेट्रो ट्रेन, मोटर कार, बाइक आदि। इनके प्रति हम आज ज्यादा आकर्षित होते हैं।

प्रश्न 2. अपने बचपन की किसी मनमोहक घटना को याद करके विस्तार से लिखो।

उत्तर-

छात्र स्वयं करें।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. सन् 1935-40 के लगभग लेखिका को बचपन शिमला में अधिक दिन गुज़रा उन दिनों के शिमला के विषय में जानने का प्रयास करो।

उत्तर-

लेखिका का बचपन अधिकांशतः शिमला में गुजरा। उन दिनों शिमला विकसित होने लगा था। वहाँ रेस्टोरेंट, मॉल, अच्छी दुकानें आदि खुल गई थीं। छोटी-छोटी पहाड़ियों से घिरा शहर, चढ़ाई-चढ़कर गिरजा मैदान पहुँचना और उतर कर मॉल जाना ये सब घटनाएँ सुखद थीं। संध्या के समय धुंधलके में गहराते पहाड़, रिज पर बढ़ती रौनक, मॉल के दुकानों की चमक और स्कैंडल प्वांइट ये सब शिमला की खूबसूरती की झलक दिखाते हैं।

egyanarchive

प्रश्न 2. लेखिका ने इस संस्मरण में सरवर के माध्यम से अपनी बात बताने की कोशिश की है, लेकिन सरवर का कोई परिचय नहीं दिया है। अनुमान लगाइए कि सरवर कौन हो सकता है?

उत्तर-

इस संस्मरण में लेखिका ने दो बार सरवर का नाम लिया है। सरवर का नाम लेखिका ने संकेत के रूप में लिया है। इसके अलावा उस व्यक्ति के लिए अन्य संबोधन का प्रयोग नहीं हुआ है। अतः संभव है कि सरवर कोई पत्रकार या उनका मित्र लेखक रहा होगा जिन्हें वह अपनी जीवनी सुना रही हैं।

भाषा की बात

प्रश्न 1. क्रियाओं से भी भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं। जैसे मारना से मार, काटना से काट, हारना से हार, सीखना से सीख, पलटना से पलट और हड़पना से हड़प आदि भाववाचक संज्ञाएँ बनी हैं। तुम भी इस संस्मरण से कुछ क्रियाओं को छाँटकर लिखो और उनके भाववाचक संज्ञा बनाओ।

उत्तर -

क्रिया	भाववाचक संज्ञा
गूंजना	गूँज
उभार	उभरना
दौड़ना	दौड़
चढ़ना	चढ़ाई
चाल	चलन
गहराना	गहराई
खींजना	खीज़
बदलना	बदलाव

egyanarchive

प्रश्न 2. चार दिन, कुछ व्यक्ति, एक लीटर दूध आदि शब्दों के प्रयोग पर ध्यान दो तो पता चलेगा कि इसमें चार, कुछ और एक लीटर शब्द से संख्या या परिमाण का आभास होता है, क्योंकि ये संख्यावाचक विशेषण हैं। इसमें भी चार दिन से निश्चित संख्या का बोध होता है, इसलिए इसको निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं और कुछ व्यक्ति से अनिश्चित संख्या का बोध होने से इसे अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। इसी प्रकार एक लीटर दूध से परिमाण का बोध होता है इसलिए इसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

अब तुम नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो और उनके सामने विशेषण के भेदों को लिखो-

(क) मुझे दो दर्जन केले चाहिए।

(ख) दो किलो अनाज दे दो।

(ग) कुछ बच्चे आ रहे हैं।

(घ) सभी लोग हँस रहे थे।

(ङ) तुम्हारा नाम बहुत सुंदर है।

उत्तर-

(क) दो दर्जन- निश्चित संख्यावाचक विशेषण।

(ख) दो किलो- निश्चित परिणामवाचक विशेषण।

(ग) कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण।

(घ) सभी- अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण।

(ङ) (i) तुम्हारा- सार्वनामिक विशेषण

(ii) बहुत- अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(iii) सुंदर- गुणवाचक विशेषण

प्रश्न 3. कपड़ों में मेरी दिलचस्पियाँ मेरी मौसी जानती थीं।

इस वाक्य में रेखांकित शब्द 'दिलचस्पियाँ' और 'मौसी' संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं, इसलिए ये सार्वनामिक विशेषण हैं। सर्वनाम कभी-कभी विशेषण का काम भी करते हैं। पाठ में से ऐसे पाँच उदाहरण छाँटकर लिखो।

उत्तर-

(क) हम बच्चे इतवार की सुबह इसी में लगते

(ख) उन दिनों कुछ घरों में ग्रामोफ़ोन थे।

(ग) हमारा घर माल से ज्यादा दूर नहीं था।

(घ) अपने-अपने जूते पॉलिश करके चमकाते।

(ङ) यह गाना उन दिनों स्कूल में हर बच्चे को आता था।

egyanarchive